

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II--सण्ड 3--उपसण्ड (il)

PART II--Section 3-Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

र्स ∘ 560]

नई दिल्ली, सोंमवार, दिसम्बर 27, 1976/पौष 6, 1898

No. 560]

NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 27, 1976/PAUSA 6, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 27th December 1976

S.O. 833(E)/18FB/IDRA/76.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S.O. 426(E)|18AA|IDRA/74, dated the 8th July, 1974, the management of the chemical unit of the industrial undertaking known as Messrs. Association Industries (Assam) Ltd., Chandrapur (hereinafter referred to as the said industrial undertaking) has been taken over under clause (b) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period upto and inclusive of the 7th of July, 1979;

And whereas the Central Government is satisfied that in relation to the said industrial undertaking it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing fall in the volume of production of the scheduled industry, namely, the chemical industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of subsection (1) of section 18FB of the said Act, the Central Government hereby declares that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of this Order (other than those relating to secured

[No. F. 25/9/72-CUC]

A. K. GHOSH, Addl. Secy.

उद्योग मंत्रालय (श्रोद्योगिक विकास विभाग)

ग्रादेश

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर, 1976

का शा 838(ध)/18एकबी/धाई०डी०धार०ए०/76.—यतः भारतः सरकार के भूतपूर्व श्रोद्योगिक, विकास मंद्रालय के श्रादेश सं० का० श्रा० 426 (ई)/18कक/ श्राई डी श्रार ए/74-तारीख 8 जुलाई 1974 द्वारा, मैसर्स एसोसिएटिड इण्डस्ट्रीज (श्रसम) लिमिटेड, चन्त्रपुर (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त श्रोद्योगिक उपक्रम कहा गया है) नामक श्रोद्योगिक उपक्रम के रासायनिक एकक का प्रबन्ध, उद्योग (विकास श्रीर विनियमन) श्रविनियम, 1951 (1951 का 65) की घारा 18 कक की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के श्रधीन, 7 जुलाई, 1979 तक, जिसमें वह दिन भी सम्मिलत है, पांच वर्ष की श्रवधि के लिये ग्रहण कर लिया गया है।

स्रीर यतः केन्द्रोय सरकार का समाधान हो गया है कि अनुसूचित उद्योग स्रथीत रसायन उद्योग, उत्पादन की मात्रा में कभी को रोकने की दृष्टि से नसाधारण के हित में ऐसा करना स्रावश्यक है;

प्रतः, प्रवः, उत्त प्रधिनियम की धारा 18 वर्ष की उपवारा (1) द्वारा प्रदत्त मित्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार यह घोषित करती है कि इस ग्रादेश के निकाल जाने की तारीख से ठीक पूर्व प्रवृत्त सभी संविदान्नों, सम्पत्ति के हस्तांतरणपत्नों, करारों, व्यवस्थापनों, चाटों, स्थायी प्रादेशों या अन्य लिखतों (उन से भिन्न जो वैं को ग्रीर वित्तीय संस्थान्नों के प्रतिभूत दायितों से सम्बन्धित हों), जिनमें कि उक्त ग्रीचोगिक उपक्रम या वह कम्पनी जो ऐसे उपक्रम का स्वामित्व रखती है, पक्षकार है ग्रथवा जो ऐ से ग्रीचोगिक उपक्रम या कम्पनी को लागू किए जा सकते हैं, का प्रवर्तन एक वर्ष के लिए निलम्बित रहेगा ग्रीर उक्त तारोख से पूर्व उनके ग्रधीन प्रोदभूत या उद्भूत होने वाले सभी ग्रधिकार विश्रेगधिकार, बाध्यताएं तथा दायित्व उक्त ग्रथि के लिए निलम्बित रहेंगे।

[सं॰ फ़ा॰ 25(9)/72-सी॰ यू॰ सी॰] ए० के॰ घोष, श्रयर सचिव ।

मक्षा प्रबन्धक, भारत सरकार मृद्धणालय, मिन्टी रोड, नई दिल्ली द्वारा मृद्धित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1976

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD, NEW DELHI, AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS. DELHI, 1976